महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का यूको बैंक के फाउंडेशन सेलिब्रेशन के अवसर पर भाषण

स्थान :- भोपाल दिनांक :- 06 जनवरी, 2012 समय :- शाम 7.30 बजे

आज 6 जनवरी को यूको बैंक अपना 69वां स्थापना दिवस मना रहा है। यह प्रसन्नता का विषय है और इस दीर्घकालीन यात्रा में बैंक द्वारा अपने कार्यों का विस्तार करते हुए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं, इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं।

मेरी दृष्टि में बड़ा बैंक वह नहीं होता है जिसकी शाखाएं बहुत अधिक हों, जहां बहुत अधिक कर्मचारी काम करते हों और जहां विशाल धनराशि जमा हो। मेरी नजर में वह बैंक बड़ा होता है जो गांव के गरीबों को आर्थिक रूप से मदद कर के उनका जीवन जीने योग्य बनाता है। वह बैंक बड़ा होता है जिसकी मदद से अधिक से अधिक बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करें।

हमारा देश गांवों में बसता है और कृषि हमारी अर्थ व्यवस्था का प्रमुख आधार है। देश की उन्नति गांव की उन्नति और खेती के विकास पर निर्भर है। इस दृष्टि से ग्रामीण विकास और कृषि में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। केन्द्र और राज्य सरकार की कई हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत जरूरतमंदों को भिन्न-भिन्न आवश्कताओं के लिए ऋण और अनुदान दिया जाता है। इस बिन्दु पर बैंकों की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि बैंक सही समय पर हितग्राही को ऋण और अनुदान की राशि उपलब्ध करा दें तो सम्बन्धित हितग्राही सम्मानपूर्ण जीवन जीने के लिए जो काम धन्धा शुरू करना चाहता है वह समय पर शुरू कर पाता है और बैंक से कर्ज और अनुदान लेने के वास्तविक उद्देश्यों की पूर्ति भी होती है। यही मंशा योजना संचालित करने वाली सरकार की भी होती है। यदि इस बिन्दु पर बैंक अपना दायित्व निवर्हन करने में विलम्ब करता है तो संबंधित योजना का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है और आमजन का सरकार और बैंक से विश्वास डगमगाने लगता है।

मेरी बैंकों से यह अपेक्षा है कि वो हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वय के प्रति लगातार सचेत रहें और अपने दायित्वों को निभा कर गरीब और छोटे तबकों के लोगों की जिंदगी में आर्थिक और सामाजिक रूप से बदलाव लाने की कोशिशों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

यहां ये भी याद रखना होगा कि केवल हितग्राहियों को ऋण- अनुदान की राशि देकर ही बैंकों के कर्तव्यों की इतिश्री नहीं होती है बैंकों को कर्ज वसूली के लिए भी लगातार सजग रहना चाहिए। वसूल की गई कर्ज राशि से ही अन्य हितग्राहियों को ऋण अनुदान दिया जाना संभव हो सकेगा। इस प्रकार आर्थिक विकास की यह श्रृंखला निरंतर चलती रहेगी।

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि यूको बैंक का ग्रामीण अंचल में अग्रिम जमानुपात 84 प्रतिशत है। बैंक की शाखाओं द्वारा प्रदेश में तकरीबन 80 हजार क्रेडिट कार्ड बांटे गये हैं और एक हजार करोड़ रूपये के कृषि ऋण वितरित किये गये हैं। अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 84 करोड़ रूपये के ऋण बांटे जा चुके हैं। यह सब करके यूको बैंक अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का ही सम्पादन कर रहा है।

मैं कहना चाहूंगा कि सभी बैंक ग्रामीण विकास की योजनाओं के तहत गरीबों को दिये जाने वाले ऋण अनुमान, अनुसूचितजाति जनजाति वर्गों के हितग्राहियों को ऋण अनुदान, कृषि ऋणों, किसान क्रेडिट कार्डों और शैक्षणिक ऋणों की पूरी प्रक्रिया की पूरी जानकारी ग्रासरूट लेवल तक प्रचारित करें। इसके अलावा ऋण लेने की प्रक्रिया भी सरल बनाई जाये। ताकि अधिक से अधिक लोग बैंकों के माध्यम से शासन की इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

मैं यूको बैंक को अपनी उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं और उन्होंने सामाजिक सरोकारों से सम्बन्धित जो कार्यक्रम आयोजित किये हैं उसके लिए भी साधुवाद देता हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि यूको बैंक इसी सोच और दृष्टि के साथ आम आदमी के आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर काम करता रहेगा।

जय हिन्द।